|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त **ज्योतिष** परामर्श

Website : https://JyotishShastra.com
Email : care@jyotishshastra.com
Horoscope Web Link : https://JyotishShastra.com/horoscope

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Sandeep	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	04 / 12 / 1981	TIME OF BIRTH :	09:45:00 PM
CITY :	Delhi	STATE :	Delhi
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Gemstone Suggestion
QUESTION(S) :	Mere upar karza bahut jyada h kya main gomedh dal sakta hu ya or koi or kitne ratti ka pls confirm.		
Mobile No. : 9212168376		Email ID : sandyluthra123@gmail.com	
ORDER ID : #1056	PAYMENT ID : 245604547	AMOUNT : ₹299	
Order Date : 07/05/2019		Delivery Date : 11/05/2019	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	कर्क
चंद्र राशि :	कुम्भ
ईष्ट देव :	हनुमान जी

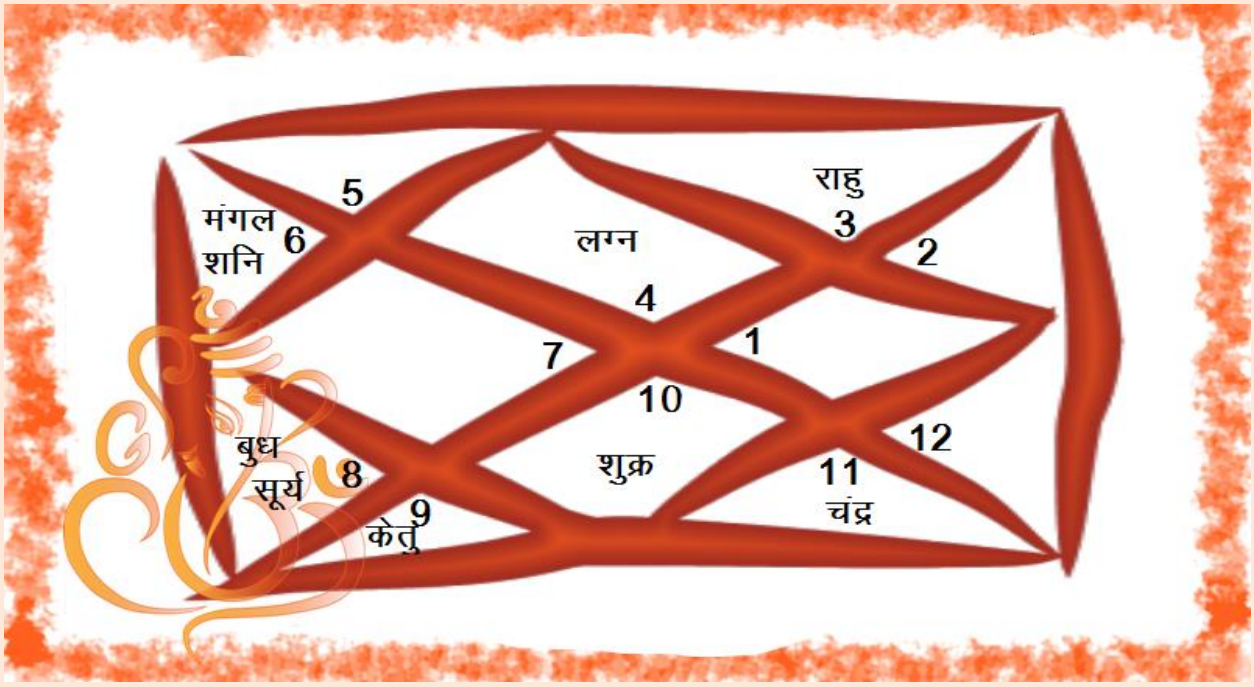

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

श्रीमान संदीप जी, आपका बुध ग्रह की महादशा अर्थात 30-07-2035 तक का सम्पूर्ण समय आपके करियर के लिए सुखद है व आपको ऋण / ऋणों से मुक्ति दिलाने में सहायक है | इस समय आपकी फाइनेंसियल ग्रोथ होगी यहां से आपका उभारना प्रारम्भ होगा | कर्म महत्व रखते हैं उन्हें सही रखें अन्यथा सब समाप्त भी हो सकता है | संभावनाएं / ऍपोर्चुनिटीज़ आपको खूब मिलेंगी किन्तु यह आपके कर्मो पर डिपेंड करता है की आप इस समय किस प्रकार के कर्म कर अपनी सहायता कर सकते हैं | आप वाक्पटु एवं मृदुभाषी व्यक्ति हैं | लोगों को भली प्रकार डील करना आपको आता है | आप यदि किसी को कुछ दिल से अच्छा या बुरा होने का बोल दें तो वह बात अवश्य ही पूरी हो जाती है | इस समय आप जो धन का इन्वेस्टमेंट करेंगे वह लॉन्ग टर्म में आपको लाभ देगा, वो अलग बात है कि जीवन के कड़वे अनुभवों के कारण आपको महसूस हो अथवा डाउट हो कि आप कहीं गलत स्थान पर इन्वेस्टमेंट तो नहीं कर रहे हैं |

यदि आप वास्तव में इन सबसे बाहर निकलना चाहते हैं तो कुछ कार्य आप अवश्य ही अपने जीवन के अंग बना लें | अपनी पत्नी को किसी भी स्थिति परिस्थिति में प्रसन्न रखें | आपकी पत्नी आपके लिए साक्षात महालक्ष्मी का रूप हैं | धन का आगमन इन्ही के लिए इन्ही के कारण से होगा अतः इनका आपसे प्रसन्न रहना अत्यंत आवश्यक है | परस्त्री गमन से दूर रहे, मांसाहार, मदिरापान कतई भी न करें अन्यथा यह आपको गर्त में ले जायेगा व दोबारा उप्पर उठने के चांस लगभग समाप्त हो जायेंगे |

ऋणों से मुक्ति हेतु आपके करियर को उप्पर उठाने की व आपकी कुंडली में उससे सम्बंधित ग्रहों को बल देने की आवश्यकता है | इसके लिए आपको कुछ उपाय प्रदान किये जा रहे हैं इन्हे आप आजीवन प्रयोग करते रहे |

विशेष उपाय :-

♦ चांदी की चेन में चांदी की गोली डालकर पहले चेन का हुक लगा लें तत्पश्चात उसे वरमाला की तरह पहने | शुक्ल पक्ष के दूसरे सोमवार को जब चन्द्रमा पक्षबली होता है तब चेन धारण करें | माता, बहिन अथवा बुआ से पहनने पर अधिक लाभ होगा |

♦ शुक्ल पक्ष के किसी सोमवार के दिन श्मशान भूमि में लगे नल (हैंडपंप) से थोड़ा जल लाकर घर में चांदी अथवा कांच के बर्तन में रखें |

♦ बहते गंदे नाले में नीले रंग के फूल लगातार 43 दिन तक बहाएं |

♦ पितरों के लिए घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में संध्या के समय तिल के तेल का दीपक प्रतिदिन जलाएं |

♦ केसर का पतला व लम्बा तिलक सदैव लगाएं जो नाक से प्रारम्भ होकर माथे के उप्पर तक जाए | ऐसा करने से आपने अभी तक जो जीवन में स्ट्रगल व मेहनत की हैं व कर रहे हैं उसके मीठे फल आने वाले समय में आपको प्राप्त होना प्रारम्भ हो जायेंगे |

♦ शुक्ल पक्ष के किसी सोमवार को सफ़ेद धागे में अथवा चांदी की चेन में ताम्बे का 1 अथवा 3 छेकल पैसा धारण करें |

♦ हनुमान जी की आराधना करें |

♦ मंगलवार को चमेली का तेल हनुमानजी पर चढ़ाकर उसका तिलक अपने माथे पर करें |

♦ मंगलवार व शनिवार को न तो बाल कटवाएं व न ही शेविंग करें व न ही सर पर तेल लगाएं |

♦ पत्नी से जितने आपके सम्बन्ध अच्छे रहेंगे उतनी ही अधिक आपकी फाइनेंसियल ग्रोथ होगी |

♦ परस्त्री गमन, मांसाहार व मदिरापान का सम्पूर्ण रूप से त्याग करें अन्यथा सब कुछ समाप्त भी हो सकता है |

रत्न निर्धारण :-

आपके प्रश्न के अनुसार आपको ऋणों से मुक्ति हेतु गोमेद रत्न धारण से कोई लाभ प्राप्त नहीं होगा बल्कि इसके धारण से आप अधिक माइनस में चले जाओगे | आपके लिए पुखराज, मोती एवं मूंगा रत्न धारण करने का परामर्श किया जाता है |

पुखराज रत्न धारण विधि :-

पुखराज अथवा येलो सफायर को स्वर्ण की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के बृहस्पतिवार के दिन सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करवाकर अथवा करके धारण करें | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, शहद, घी एवं शक्कर के घोल में डाल दे, फिर पांच अगरबत्ती बृहस्पति देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे बृहस्पति देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न पुखराज धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करें | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ ब्रह्म ब्रहस्पतिये नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से 108 बार ही घुमाए तत्पश्चात अंगूठी विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर तर्जनी अंगुली (अंगूठे से पहली) में धारण करे |

बृहस्पति के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का पुखराज ही धारण करे, अच्छे प्रभाव के लिए पुखराज का रंग हल्का पीला और दाग रहित होना चाहिए , पुखराज में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभावों में कमी आ सकती है | प्रभाहीन, धारीदार, दूधिया रंग वाला, जालदार, काली छींटों से युक्त अथवा सफेद बिन्दुओं से युक्त पुखराज रत्न का धारण अथवा प्रयोग सर्वथा निषेध होता है। लाल छींटे, गड्ढे, खरोंच और एक साथ दो रंगों से युक्त पुखराज रत्न भी अनिष्ट का कारक होता है। पुखराज धारण करने के लिए सर्वप्रथम अपना वजन करें व उसको 10 से भाग कर दें जो अंक आये उतने रत्ती का पुखराज धारण करें |

मोती रत्न धारण विधि :-

मोती को चाँदी की अंगूठी में जड्वाकर किसी भी शुक्लपक्ष के दूसरे सोमवार को सूर्य उदय के पश्चात अंगूठी को दूध, गंगा जल, शक्कर और शहद के घोल में डाल दे | उसके बाद पांच अगरबत्ती चंद्रदेव के नाम जलाये और प्रार्थना करें कि हे चन्द्र देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न, मोती धारण कर रहा हूँ , कृपया करके मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर “ॐ सों सोमाय नम:” का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से घुमाए फिर मंत्र के पश्चात् अंगूठी को शिवजी के चरणों से लगाकर कनिष्टिका ऊँगली में धारण करे | शुद्ध और श्रेष्ठ मोती गोल, श्वेत, उज्ज्वल, चिकना, चन्द्रमा के समान कान्तियुक्त, निर्मल एवं हल्कापन लिए होता है। मोती धारण करने के लिए सर्वप्रथम अपना वजन करें व उसको 10 से भाग कर दें जो अंक आये उतने रत्ती का मोती धारण करें | माना की आपका वजन 70 किलो है इसे 10 से भाग करने पर 7 अंक आता है अर्थात आपको सवा सात रत्ती का मोती धारण करना है |

मूंगा रत्न धारण विधि :-

मंगल देव के रत्न, मूंगे को स्वर्ण या ताम्बे की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के मंगलवार को सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, घी, शहद एवं शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती मंगल देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे मंगल देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न मूंगा धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ अं अंगारकाय नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से घुमाए तत्पश्चात अंगूठी हनुमान जी के चरणों से स्पर्श कराकर अनामिका में धारण करे | मंगल के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का मूंगा ही धारण करे, मूंगे का रंग लाल और दाग रहित होना चाहिए, मूंगे में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभाओं में कमी आ सकती है | मूंगा धारण करने के लिए सर्वप्रथम अपना वजन करें व उसको 10 से भाग कर दें जो अंक आये उतने रत्ती का मूंगा धारण करें |

नोट :- रत्न अच्छी क्वालिटी का व दोषमुक्त ही धारण करना उत्तम फलदाई होता है | दोषयुक्त व नकली रत्न विपरीत प्रभाव भी दे देते हैं | रत्न समय के साथ धीरे-धीरे व एक-एक कर धारण करते रहें | तुरंत धारण आवश्यक नहीं है, क्यूंकि यह कॉस्टली होते हैं | रत्न विश्वासपात्र व्यक्ति अथवा विश्वसनीय स्थान से ही खरीदें|

ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

———————————